Self respect

17-07-2014

✓बाप कल्प-कल्प आते हैं, यही सुनाते हैं कल्प बाद फिर मिलेंगे । बाप कहते हैं- बच्चे, अभी तुम जो सुनते हो, फिर कल्प बाद भी यही सुनेंगे । यह तो बच्चे जानते हैं, बाप कहते हैं-हम कल्प-कल्प आकर बच्चों को मार्ग बताता हूँ । मार्ग पर चलना बच्चों का काम है । बाप आकर मार्ग बताते हैं, साथ में ले जाते हैं । सिर्फ मार्ग नहीं बताते लेकिन साथ में ले भी जाते हैं ।

✓बच्चे समझ जाते हैं बाप का वर्सा बेहद की बादशाही है । जो कल मन्दिरों में जाते थे, महिमा गाते थे इन बच्चों (लक्ष्मी-नारायण) की, बाबा तो इन्हों को भी बच्चे-बच्चे कहेंगे ना, जो उन्हों के ऊंच बनने की महिमा गाते थे, अब फिर ऊंच बनने का पुरूषार्थ करते हैं ।

✓तुम सब प्रजापिता ब्रह्मा के बच्चे ब्राह्मण पुरूषार्थ करते हो, विष्णु पद पाने । लक्ष्मी-नारायण कहो, विष्णु कहो, बात तो एक ही है ।

✓जब तुम फरिश्ते बनते हो तब समझते हो कि अब लड़ाई लगेगी । मिरूआ मौत..... यह बहुत ऊंच अवस्था है । बच्चों को धारणा करनी है । यह भी निश्चय है कि हम चक्र लगाते हैं । और कोई इन बातों को समझ न सके । नया ज्ञान है और फिर पावन बनने के लिए बाप याद सिखाते हैं, यह भी समझते हो बाप से वर्सा मिलता है । कल्प-कल्प बाप के बच्चे बनते हैं, 84 का चक्र लगाया है ।

- ✓तुम मीठे-मीठे बच्चे 5 हजार वर्ष के बाद आकर मिले हो । तुम वही हो । फीचर्स भी वही हैं, 5 हजार वर्ष पहले भी तुम ही थे । तुम भी कहते हो 5 हजार वर्ष बाद आप वही आकर मिले हो, जो हमको मनुष्य से देवता बना रहे हो । हम देवता थे फिर असुर बन पड़े हैं । देवताओं के गुण गाते आये, अपने अवगुण वर्णन करते आये । अब फिर देवता बनना है क्योंकि दैवी दुनिया में जाना है । तो अब अच्छी रीति पुरूषार्थ कर ऊँच पद पाओ । टीचर तो सबको कहेंगे ना, पढ़ो ।

- ✓यह दुनिया जैसे कि खत्म हुई पड़ी है । फिर तुम आयेंगे नई दुनिया में । वह तो बड़ी शोभनिक नई दुनिया होगी । कोई शान्तिधाम में विश्राम पाते हैं । कोई को विश्राम नहीं मिलता है । आलराउण्ड पार्ट है । परन्तु तमोप्रधान दुःख से छूट जाते हैं । वहाँ शान्ति, सुख सब मिल जाता है ।
- ✓ अभी तुम बच्चे समझते हो श्रीमत पर हम बैकुण्ठ की बादशाही स्थापन करते हैं । हमने अनगिनत बार राजाई स्थापन की है । करते और गँवाते हैं । यह चक्र फिरता ही रहता है ।

✓वरदान: अधिकारी बन समस्याओं को खेल-खेल में पार करने वाले हीरो पार्टधारी भव !

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात- पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉनिग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।